

प्रश्न –पत्र का प्रारूप

कक्षा— प्रवेशिका

विषय— संस्कृत विशेष: (प्रथम पत्रम्)

अवधि— 3.15 निमेषा :

पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

| क्र.सं. | उद्देश्य | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|-------------------------|--------|---------|
| 1. | ज्ञान | 20 | 25 |
| 5 | अवबोध / अर्थग्रहण | 30 | 37.50 |
| 3. | ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति | 30 | 37.50 |
| 4. | कौशल / मौलिकता | — | — |
| | योग | 80 | 100 |

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

| क्र.सं. | प्रश्नों के प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक | प्रतिशत | सम्भावित समय— निमेषा : |
|---------|-----------------------------|--------------------|------------------|---------|---------|---------------------------|
| 1. | वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक | — | — | — | — | — |
| 2. | अतिलघूत्तरात्मक | 10 | 1 | 10 | 12.5 | 20 |
| 3. | लघूत्तरात्मक । | 10 | 2 | 20 | 25 | 40 |
| 4. | लघूत्तरात्मक ।। | 6 | 4 | 24 | 30 | 55 |
| 5. | निबंधात्मक | 2 | 5 | 10 | 12.5 | 20 |
| | | 2 | 8 | 16 | 20 | 35 |
| | योग | 30 | | 80 | 100 | 170 निमेषा: |

विकल्प योजना : आन्तरिक

पुनरावलोकन10 निमेषा:

3. विषय वस्तु का अंकभार –

| क्र.सं. | इकाई | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|---|--------|---------|
| 1. | अजन्तपुल्लिंगात् रूपसिद्धयः | 10 | 12.5 |
| 2. | सूत्र व्याख्या: | 5 | 6.25 |
| 3. | अजन्तस्त्रीलिङ्गात् रूपसिद्धयः | 5 | 6.25 |
| 4. | सूत्र व्याख्या: | 3 | 3.75 |
| 5. | अजन्तपुंसकलिङ्गात् रूपसिद्धयः | 5 | 6.25 |
| 6. | सूत्र व्याख्या: | 2 | 2.05 |
| 7. | हलन्तपुल्लिंगात् रूपसिद्धयः | 10 | 12.5 |
| 8. | सूत्र व्याख्या: | 5 | 6.25 |
| 9. | हलन्तस्त्रीलिङ्गात् रूपसिद्धयः | 5 | 6.25 |
| 10. | सूत्र व्याख्या: | 3 | 3.75 |
| 11. | हलन्तपुंसकलिङ्गात् रूपसिद्धयः | 5 | 6.25 |
| 12. | सूत्र व्याख्या: | 2 | 2.05 |
| 13. | स्त्रीप्रत्ययप्रकरणात् रूपसिद्धयः | 5 | 6.25 |
| 14. | सूत्र व्याख्या: | 5 | 6.25 |
| 15. | अव्ययप्रकरणाद् अव्ययानाम् अर्थः संस्कृते वाक्यप्रयोगश्च | 5 | 5.80 |
| 16. | धातुरूपाणि: | 5 | 6.25 |
| 17. | योग | 80 | 100 |

| क्र.सं. | उद्देश्य इकाई/उप इकाई | ज्ञान | | | अवबोध | | | ज्ञानोपयोगी/अभिव्यक्ति | | | कौशल/मौलिकता | | | योग |
|---------|---|---------|------|------|---------|-------|------|------------------------|------|-------|--------------|-----|------|--------|
| | | अति लघु | लघु | निंब | अति लघु | लघु | निंब | अति लघु | लघु | निंब | अति लघु | लघु | निंब | |
| | | SA1 | SA2 | | SA1 | SA2 | | SA1 | SA2 | | SA1 | SA2 | | |
| 1. | अजन्तपुल्लिंगात् रूपसिद्धयः | - | - | - | 2(1) | - | - | - | - | 8(1) | - | - | - | 10(2) |
| 2. | सूत्र व्याख्याः | 1(1) | 4(1) | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 5(2) |
| 3. | अजन्तस्त्रीलिंगात् रूपसिद्धयः | - | - | - | 1(1) | 4(1) | - | - | - | - | - | - | - | 5(2) |
| 4. | सूत्र व्याख्याः | - | - | - | 1(1) | 2(1) | - | - | - | - | - | - | - | 3(2) |
| 5. | अजन्तनपुंसकलिंगात् रूपसिद्धयः | - | - | - | - | - | - | 1(1) | 4(1) | - | - | - | - | 5(2) |
| 6. | सूत्र व्याख्याः | - | 2(1) | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2(1) |
| 7. | हलन्तपुल्लिंगात् रूपसिद्धयः | - | - | - | 2(1) | - | - | - | - | - | - | - | - | 10(2) |
| 8. | सूत्र व्याख्याः | - | - | 5(1) | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 5(1) |
| 9. | हलन्तस्त्रीलिंगात् रूपसिद्धयः | 1(1) | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 5(2) |
| 10. | सूत्र व्याख्याः | - | - | - | - | - | - | 1(1) | 2(1) | - | - | - | - | 3(2) |
| 11. | हलन्तनपुंसकलिंगात् रूपसिद्धयः | - | - | 5(1) | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 5(1) |
| 12. | सूत्र व्याख्याः | - | - | - | - | - | - | - | 2(1) | - | - | - | - | 2(1) |
| 13. | स्त्रीप्रत्ययप्रकरणात् – रूपसिद्धयः | - | - | - | 1(1) | 4(1) | - | - | - | - | - | - | - | 5(2) |
| 14. | सूत्र व्याख्याः | - | - | - | 1(1) | - | - | - | 4(1) | - | - | - | - | 5(2) |
| 15. | अव्ययप्रकरणाद् अव्ययानाम् अर्थः संस्कृते वाक्यप्रयोगश्च | - | 2(1) | - | - | - | - | 1(1) | - | - | - | - | - | 5(3) |
| 16. | धातुरूपाणि: | - | - | - | 2(1) | - | - | 1(1) | - | - | - | - | - | 5(3) |
| 17. | योग | 2(2) | 4(2) | 4(1) | 4(4) | 10(5) | 8(2) | 8(1) | 8(1) | 12(3) | 8(1) | - | - | 80(30) |
| 18. | कुल योग | 20(7) | | | 30(12) | | | 30(11) | | | 80(30) | | | |

विकल्पों की योजना :-

नोट :- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

नामांक Roll No.

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

आदर्श प्रश्न पत्र प्रवेशिका परीक्षा 2018
संस्कृतविशेषः(प्रथम पत्रम्)

समय: 3¼ घण्टे

पूर्णांक-80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः

1. परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः।
2. सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
3. सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
4. एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागाः एकत्र एव लेखनीयाः।
5. सर्वे प्रश्नाः संस्कृतभाषयैव उत्तरणीयाः।

1. "अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्" इति सूत्रेण का संज्ञा भवति ? 1
2. 'मत्याम्' इत्यत्र डि स्थाने आम् आदेशः इत्यत्र सूत्रं किम् ? 1
3. 'ऋन्नेभ्योडीप्' इति सूत्रस्यार्थो लेख्यः। 1
4. "ज्ञानम्" इत्यत्र सु स्थाने अम् आदेशः केन सूत्रेण भवति ? 1
5. 'इयम्' इत्यत्र दकारस्य यकारः इति विधायकं सूत्रं किम् ? 1
6. "नहो धः" अस्य सूत्रस्यार्थो लेख्यः। 1
7. "कारिका" इत्यत्र अकारस्थाने इकारादेशस्य सूत्रं किम् ? 1
8. "अजाद्यतष्टाप्" इति सूत्रस्य कार्यं लेख्यम्। 1
9. यथेच्छं एकपदस्य वाक्यप्रयोगं कुरुत। 1
सायम्, नमः, युगपत्
10. भू धातु-लृट् लकार-प्रथम पुरुष-बहुवचनं लिखत। 1
11. 'रामान्' इत्यत्र सस्य नत्वम् इति विधायकसूत्रं लिखत। 2
12. "त्रिचतुरोः स्त्रियां तिसृचतसृ" इति सूत्रस्य सोदाहरणम् अर्थो लेख्यः। 2
13. "नपुंसकस्य झलचः" इति सूत्रस्यार्थो लेख्यः। 2
14. 'प्रशान्' इत्यत्र नकारादेशस्य सूत्रं किम् ? 2
15. "अपो भिः" इति सूत्रस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः। 2
16. 'शप् श्यनोर्नित्यम्' इत्यस्यार्थो लेख्यः। 2
17. अधोलिखित-अव्ययेषु यथेच्छं द्वयोः अर्थो लेख्यः। 1+1=2
अन्तर, रात्रौ, अलम्, स्वस्ति
18. निम्न-अत्ययपदेषु यथेच्छं द्वयोः अर्थो लेख्यः। 1+1=2
मुधा, किल, अथ, चण्
19. वद् धातोः लोटलकारस्य रूपाणि लेखनीयानि। 2
20. गम् धातोः लृटलकारस्य मध्यपुरुषस्य रूपाणि लिखत। 2
21. "टाडसिडसामिनात्स्याः" इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या। 4
22. निम्नाङ्कितेषु रूपद्वयं सम्यक् साधयत। 4
रमा, स्त्रीणाम्, मत्याम्, द्वाभ्याम्

23. अधोलिखितेषु रूपद्वयं सम्यक् साधयत । 4
ज्ञाने, वारिणी, दध्ना, मधूनि
24. निम्नालिखितेषु रूपद्वयं सम्यक् साधयत । 4
अनया, वाचः, द्यौः, सजूः
25. अधोलिखितेषु रूपद्वयं साधयत । 4
पचन्ती, गोपी, कुरुचरी, युवतिः
26. "षिद्गौरादिभ्यश्च" इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या । 4
27. "वसोः सम्प्रसारणम्" "थो न्थः" वा सूत्रैकस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या । 5
28. निम्नाङ्कितेषु रूपद्वयं साधयत । $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$
एनानि, धनुषा, अदः, अहोभ्याम्
29. अधोलिखितेषु चत्वारि रूपाणि साधनीयानि । $2+2+2+2=8$
रामाः, सर्वे, हरये, सुधियौ, नृणाम्, गावः, क्रोष्ट्रा
30. निम्नाङ्कितेषु प्रयोगेषु चत्वारः प्रयोगाः साधनीयाः । $2+2+2+2=8$
मघोनः, आवाम्, तुभ्यम्, अमुना, विश्वौहः, चतुरः, अयम्

आदर्श प्रश्न पत्र प्रवेशिका परीक्षा 2018

संस्कृतविशेषः(प्रथमपत्रम्)

उत्तर-तालिका

| प्रश्न क्रमाङ्क | सम्भावितोत्तराणि | अङ्क विभाजनम् | पृष्ठ संख्या | | | | | | | | | |
|-----------------|--|---------------|--------------|--------|----|-------|-----|-------|------|------|---|----|
| 1. | प्रातिपदिक संज्ञा । | 1 | 1 | | | | | | | | | |
| 2. | “इदुदभ्याम्” इति सूत्रेण भवति । | 1 | 33 | | | | | | | | | |
| 3. | ऋदन्तेभ्यः नान्तेश्चश्च डीप् स्यात् स्त्रियाम् । | 1 | 36 | | | | | | | | | |
| 4. | “अतोऽम्” इति सूत्रेण भवति । | 1 | 37 | | | | | | | | | |
| 5. | “यःसौ” इति सूत्रेण दकारस्य यकारः भवति । | 1 | 71 | | | | | | | | | |
| 6. | नहो हस्य धः स्यात् झलि पदान्ते च । | 1 | 70 | | | | | | | | | |
| 7. | “प्रत्ययस्थात् कात् पूर्वस्यात् इदाप्यसुपः । | 1 | 83 | | | | | | | | | |
| 8. | टाप् प्रत्ययः | 1 | 79 | | | | | | | | | |
| 9. | सूर्यास्तः सायं भवति (स्वविवेकेन अन्येऽपि) गुरवे नमः (स्वविवेकेन अन्येऽपि) युगपत् चलेत् (स्वविवेकेन अन्येऽपि) | 1 | 75 | | | | | | | | | |
| 10. | भविष्यन्ति | 1 | 90 | | | | | | | | | |
| 11. | “तस्माच्छसो नः पुंसि” इति सूत्रेण सस्य नत्वं भवति । | 2 | 6 | | | | | | | | | |
| 12. | स्त्रीलिंगयोरेतावतादेशौ स्तो विभक्तौ अर्थात् स्त्रियाम् त्रि इत्यस्य तिसृ, चतुर्, इत्यस्य चतसृ आदेशौ स्तः विभक्तौ । | 2 | 33 | | | | | | | | | |
| 13. | झलन्तस्याजन्तस्य च क्लीबस्य नुम् स्यात् सर्वनामस्थाने । | 2 | 38 | | | | | | | | | |
| 14. | “मो नो धातोः” इति सूत्रेण मकारस्य नकारः भवति । | 2 | 48 | | | | | | | | | |
| 15. | अपस्तकारः स्यात् भादौ प्रत्यये परे । यथा-अदिभः । | 2 | 71 | | | | | | | | | |
| 16. | शपश्यनोरात् परो यः शतुरवयवस्तदन्तस्य नित्यं नुम् स्यात् शीनधोः परतः । | 2 | 73 | | | | | | | | | |
| 17. | अन्तर्=मध्य, रात्रौ=रात में, अलम्=पर्याप्त, स्वस्ति=शुभ, मंगल । | 2 | 75 | | | | | | | | | |
| 18. | मुधा=व्यर्थ, किल=निश्चय, अथ=अन्तर्, चण्=यदि | 2 | 75 | | | | | | | | | |
| 19. | <table border="1" style="width: 100%; text-align: center;"> <tr> <td>वदतु</td> <td>वदताम्</td> <td>वदन्तु</td> </tr> <tr> <td>वद</td> <td>वदतम्</td> <td>वदत</td> </tr> <tr> <td>वदानि</td> <td>वदाव</td> <td>वदाम</td> </tr> </table> | वदतु | वदताम् | वदन्तु | वद | वदतम् | वदत | वदानि | वदाव | वदाम | 2 | 94 |
| वदतु | वदताम् | वदन्तु | | | | | | | | | | |
| वद | वदतम् | वदत | | | | | | | | | | |
| वदानि | वदाव | वदाम | | | | | | | | | | |
| 20. | गमिष्यसि गमिष्यथः गमिष्यथ । | 2 | 96 | | | | | | | | | |
| 21. | अदन्ताद्वादीनामिनादयाः स्युः अर्थात् अदन्ताङ्गात् टा इत्यस्य इन ङसि इत्यस्य आत् ङस् इत्यस्य आदेशाः स्युः । यथा रामेण-राम+टा इत्यत्र इनादेशात् निष्पन्नोऽयं शब्दः । | 4 | 6 | | | | | | | | | |

| | | | |
|---------------------------|---|-------------------------------|----|
| 22. तः 25 पर्यन्तम् | प्रश्न सं 22 तः 25 पर्यन्तं पाठ्यपुस्तकानुसारेण भवेयुः। | 4X4=16 | |
| 26. | “षिद्गौरादिभ्यश्च” इत्यस्य व्याख्या— षिद्भ्यो अर्थात् ष् इत्संज्ञकेश्यः गौरादिभ्यस्य स्त्रियां (स्त्रीत्वे) डीष् स्यात्। यथा—गार्ग्यायणी—गार्ग्यशब्दात् ष्फ प्रत्यये “षः प्रत्ययस्य” इति षलोपे फस्य आयनादेशे, प्रकृतसूत्रेण डीष् प्रत्यये, णत्वे कृते सति निष्पन्नोऽयं शब्दः। | 4 | 81 |
| 27. | “वसोः सम्प्रसारणम्” वस्वन्तस्य भस्य सम्प्रसारणं स्यात् यथा विदुषः। “थो न्थः” पथिमथोस्थस्य न्थादेशः स्यात् | 5 | 68 |
| 28. | सिद्धिकार्यं पाठ्यपुस्तकानुसारेण स्यात् | $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$ | |
| 29. तः 30 पर्यन्तम् | प्रश्नसंख्या 29 तः 30 पर्यन्तं पाठ्यपुस्तकानुसारेण सिद्धिकार्यं भवेत्। | 8+8=16 | |